जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR ™

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2021/rpba/67 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | मंगलवार, 13 अप्रैल 2021

राजा पार्क के घरों में पानी के अवैध कनेक्शन!!! सरकार कर रही विशेष अभियान चलाने का दावा!!!

सरकारी पानी में सेंध!!!

जैसा कि आपको पहले के अभियानों में बताया जा रहा है कि कैसे राजापार्क के बिल्डर छोटे-बड़े प्लोटों पर बिना नक़्शे पास करवाए,बिना अनुमति,बिना सेटबैक छोड़े 7-7 मंजिल अवैध बिल्डिंगे बना रहे है |देखने में आया है कि यहाँ पर 100 गज के प्लाट पर भी 7-8 अवैध फ्लेट्स बनाये जा रहे है,जिसमे परिवार निवास करने आ जाते है|

जैसे जैसे हमारा अभियान यहाँ के लोगो के पास पहुँच रहा है नए नए खुलासे सामने आ रहे है|ऐसा ही नया खुलासा किया गया है जिसमे मालूम चला है कि राजापार्क और इसके आस-पास के क्षेत्रों(सिन्धी कॉलोनी,आदर्श नगर,जवाहरनगर आदि) में बनी हुई अवैध बिल्डिंगों में डायरेक्ट पानी की बड़ी लाईन से पानी के अवैध कनेक्शन करवाए जा रहे है| जानकारों के अनुसार राजापार्क क्षेत्र की करीब 200 बिल्डिंगों और मकानों में पानी के अवैध कनेक्शन किये जा चुके है|

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

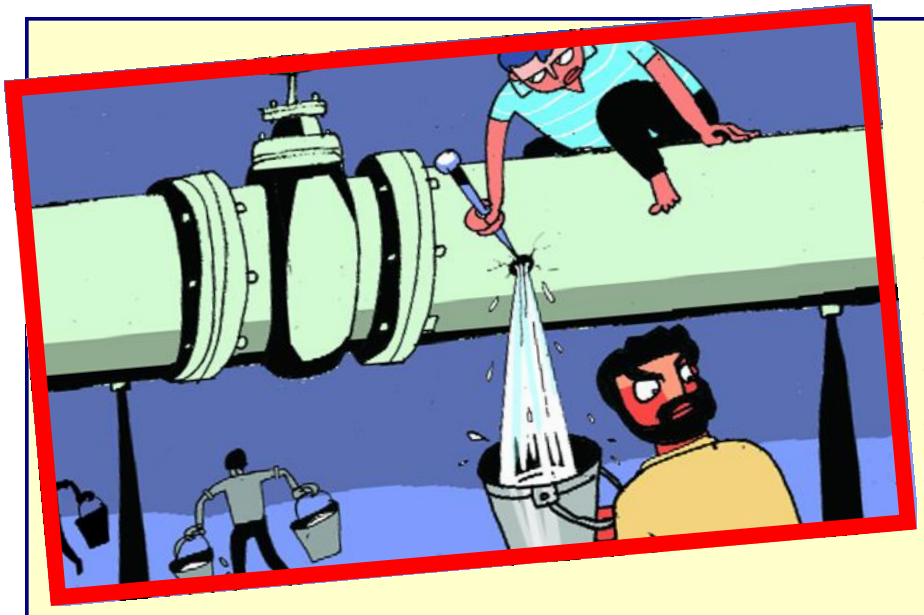

पार्षद प्रत्याशी का है अवैध कनेक्शनों का बड़ा काम|

जानकारों के अनुसार पानी के इस अवैध खेल में नगर निगम हेरिटेज से चुनाव लड़ चुके एक कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी का नाम सामने आया है|जो अपने आप को PHED का कांट्रेक्टर बताता है|यह महाशय एक अवैध पानी का कनेक्शन करने के लिए 40-50 हजार रूपये लेते है ,अमूमन एक अवैध बिल्डिंग में 4-5 अवैध कनेक्शन किये जाते है| अवैध कनेक्शन लगाने की इस प्रक्रिया में बाकायदा PHED में एक पानी के कनेक्शन के लिए आवेदन किया जाता है|जिसकी आड़ में 4-5 अवैध कनेक्शन सीधी बड़ी लाईन से कर दिए जाते है|इन अवैध कनेक्शनों में बूस्टर लगा कर बिल्डिंग में बने 5-10 हजार लीटर के पानी के टैंको को भर लिया जाता है और सरकार को करोडो रुपयों के राजस्व का चुना लगाया जाता है|

सरकार और क्षेत्र के ईमानदार उपभोक्ता भुगत रहे खामियाजा|

आप को बता दें कि इस पूरे गड़बड़झाले का जहाँ एक और पानी माफिया और बिल्डर भरपूर फायदा उठा रहे है वही दूसरी और इसका बड़ा खामियाजा सरकार और ईमानदार उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है|पानी के अवैध कनेक्शनों से सरकार को हर महीने राजस्व का भारी नुक्सान उठाना पड़ रहा है और ईमानदार उपभोक्ताओं तक उनके हिस्से का पानी नहीं पहुँच रहा है क्यूंकि उनके हिस्से का पानी बीच में ही चोरी हो जाता है|

जिम्मेदार अधिकारी

- श्री सुधांशु पन्त,अतिरिक्त मुख्य सचिव,जलदाय विभाग
- श्रीमति उर्मिला राजोरिया,स्पेशल सचिव,जलदाय विभाग
- क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता

पानी के अवैध कनेक्शनों के खिलाफ होगी कार्रवाई, दर्ज कराएंगे एफआईआर

राजधानी के साथ ही प्रदेश में पानी के अवैध कनेक्शनों के खिलाफ तीन माह तक विशेष अभियान (Campaign against illegal water connections) शुरू होगा। अगर कहीं अवैध कनेक्शन मिला तो लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसके लिए जलदाय विभाग ने सभी जिलों के अधीक्षण अभियंताओं को नोडल अधिकारी बनाया है। विभाग ने तीन माह में प्रदेश को अवैध जल कनेक्शन से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

पानी के अवैध कनेक्शनों के खिलाफ होगी कार्रवाई, दर्ज कराएंगे एफआईआर

पानी के अवैध कनेक्शनों के खिलाफ होगी कार्रवाई, दर्ज कराएंगे एफआईआर

— जलदाय विभाग चलाएगा तीन माह तक विशेष अभियान, मंत्री ने जारी किए निर्देश

— तीन माह में प्रदेश को अवैध जल कनेक्शन से मुक्त बनाने का लक्ष्य

— सभी जिलों मे अधीक्षण अभियंताओं को बनाया नोडल अधिकारी

जयपुर। राजधानी के साथ ही प्रदेश में पानी के अवैध कनेक्शनों के खिलाफ तीन माह तक विशेष अभियान (Campaign against illegal water connections) शुरू होगा। अगर कहीं अवैध कनेक्शन मिला तो लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसके लिए जलदाय विभाग ने सभी जिलों के अधीक्षण अभियंताओं को नोडल अधिकारी बनाया है। विभाग ने तीन माह में प्रदेश को अवैध जल कनेक्शन से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। अवैध कनेक्शनों के खिलाफ अभियान शुरू करने के लिए जलदाय मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने विधानसभा में घोषणा की थी।

जलदाय मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला बताया कि जलदाय विभाग के पेयजल आपूर्ति नेटवर्क से जुड़ी राइजिंग और डिस्ट्रीब्यूशन मेन लाइन (आपूर्ति और वितरण पाइपलाइन) से अवैध रूप से कनेक्शन लेने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पूरे प्रदेश में आगामी तीन माह तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस सम्बंध में जलदाय विभाग की ओर आदेश जारी कर सभी जिलों में फील्ड में कार्यरत अभियंताओं को अवैध कनेक्शनों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्देश जारी किए हैं।

डॉ. कल्ला ने बताया कि अभियान के लिए जिलों में कार्यरत अधीक्षण अभियंताओं को अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है। अगले तीन माह की अवधि में पूरे प्रदेश को अवैध पेयजल कनेक्शन से मुक्त करने के लक्ष्य के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सभी रीजन में कार्यरत अतिरिक्त मुख्य अभियंता अभियान की पूरी मॉनिटरिंग करेंगे। जिला कलक्टर को इस अभियान की प्रगति की अपने स्तर पर प्रति सप्ताह आयोजित होने वाली बैठकों में समीक्षा करने तथा विभागीय अधिकारियों को अवैध कनेक्शन हटाने में पूरा सहयोग देने को कहा गया है।

डॉ. कल्ला ने बताया कि विशेष अभियान के तहत अवैध कनैक्शनों की पहचान के लिए सर्वे किया जाएगा। राइजिंग मेन पर अवैध कनेक्शन वाले व्यक्तियों को नोटिस जारी कर तीन दिन के अंतराल में अवैध कनेक्शन को हटाने तथा इससे राइजिंग मेन को हुई क्षति को दुरूस्त करने का समय दिया जाएगा। यदि अवैध कनेक्शन से सम्बंधित कोई व्यक्ति इस नोटिस के सम्बंध में वांछित कार्रवाई नहीं करेगा तो विभाग की ओर से अवैध कनेक्शन को हटाने की कार्रवाई की जाएगी और दोषियों के खिलाफ पुलिस में राजकीय सम्पति को नुकसान पहुंचाने के बारे में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

तीन दिन का देंगे नोटिस, फिर काटेंगे अवैध कनेक्शन

जयपुर @ पत्रिका. जलदाय विभाग ने अवैध पेयजल कनेक्शन काटने के लिए गुरुवार से अभियान शुरू किया है। यह अभियान तीन माह तक जारी रहेगा। अभियान के लिए अधीक्षण अभियंताओं को जिलेवार नोडल अधिकारी बनाया गया है। अवैध पेयजल कनेक्शन की पहचान के लिए फील्ड इंजीनियर सर्वे करेंगे। इसके बाद कनेक्शन हटाने के लिए तीन दिन का नोटिस देंगे। नोटिस के बाद अवैध कनेक्शन नहीं हटने पर कनेक्शन काटा जाएगा। साथ ही राजकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला संबंधित थाने में दर्ज कराया जाएगा। अवैध कनेक्शनों से विभाग को राजस्व का नुकसान हो रहा है। इससे पानी का प्रेशर भी कम आता है। इस अभियान की सभी जिला कलक्टर प्रत्येक सप्ताह मॉनिटरिंग करेंगे।

जयपुर में काटे 80 से ज्यादा अवैध कनेक्शन

राजधानी जयपुर में उत्तर और दक्षिण सर्किल में पानी के अवैध कनेक्शनों को काटने का काम शुरू हो गया है। विभाग ने गुरुवार शाम तक दोनों सर्कल में 80 से ज्यादा अवैध पेयजल कनेक्शन काटे हैं।

सरकार ने चला रखी है अवैध कनेक्शनों के विरुद्ध मुहीम

ऐसा नहीं है कि राज्य सरकार को इन अवैध कनेक्शनों की जानकारी नहीं है|अब राज्य के जलदाय मंत्री श्री बी.डी. कल्ला द्वारा विशेष अभियान चला कर अवैध कनेक्शनों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए है|जिसके चलते पहले सर्वे कर,नोटिस देने की कार्यवाही की जाएगी उसके बाद कनेक्शन नहीं हटाने पर अवैध कनेक्शनों को काट कर सम्बंधित व्यक्ति के विरुद्ध राजकीय संपत्ति को नुक्सान पहुचाने का मामला स्थानीय थाने में दर्ज करवाया जायेगा|देखना यह है कि सरकार अपने इस अभियान में कितनी सफल होती है या फिर फौरी कार्यवाही कर 20-25 गरीब लोगो के विरुद्ध कार्यवाही कर अभियान की इतिश्री कर ली जाएगी|

जवाब मांगते सवाल?

- कौन है यह पानी माफिया जो अपने रसुखातों के दम पर अपने सरकारी ठेकेदार होने का रौब दिखा कर,घरों/बिल्डिंगों में अवैध पानी के कनेक्शन करवाने का ठेका लेता है?
- क्या वाकई में यह सरकारी ठेकेदार है या फिर फिर ठेकेदारी का लाईसेंस भी फर्जी है?
- क्या जलदाय विभाग ने इसे अवैध कनेक्शन देने के लिए ठेकेदार बनाया है?
- आज तक कितनी बिल्डिंगों में करवा चूका यह अवैध पानी के कनेक्शन?
- क्या सरकार इस अवैध कनेक्शन करने वाले पानी माफिया के विरुद्ध सरकारी संपत्ति को नुक्सान पहुचाने का मामला दर्ज करवाएगी?
- कितना रुपया लेता है यह एक अवैध कनेक्शन लगाने के?
- कौन है राजापार्क और आस-पास के क्षेत्र के बिल्डर,जिन्होंने अपनी बिल्डिंगों में पानी के अवैध कनेक्शन ले रखे है?
- जिन बिल्डरों ने इससे अपनी अवैध बिल्डिंगों में अवैध कनेक्शन लगवाए है क्या वह स्वेच्छा से इन अवैध कनेक्शनों को हटायेंगे या फिर सरकार को नोटिस जारीकर इनके विरुद्ध सरकारी संपत्ति को नुक्सान पहुचाने का मामला दर्ज करवाना पड़ेगा?
- क्षेत्र में आज तक कितनी अवैध कनेक्शनों की शिकायते आई है और कितने के विरुद्ध आज दिनांक तक कार्यवाही की गयी है?
- जलदाय विभाग के कौन अधिकारी/कर्मचारी है जो इन अवैध कनेक्शनों और कनेक्शन लगाने वाले की जानकारी होने के बावजूद कोई कार्यवाही नहीं कर रहे है?

आम जन से विशेष अनुरोध

हमारा राजापार्क के स्थानीय निवासियों से निवेदन है कि यदि उन्हें ऐसे अवैध पानी के कनेक्शनों की जानकारी है तो वह जिम्मेदार अधिकारीयों को इसकी सुचना देवें जिससे क्षेत्र में पानी की चोरी रोकी जा सके और पानी माफियाओं के विरुद्ध उचित कार्यवाही हो सके/आप इसे लोगो की सुचना हमे भी दे सकते है/

अवैध बिल्डिंगों के अवैध कनेक्शनों की सूची अगले अंक में.....